जीविका
ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार

# जीविका समाचार पत्रिका

।। माह – जुलाई 2021 ।। अंक – 12 ।। केवल आंतरिक वितरण हेतु।।

## अन्दर के पृष्ठों में...

पौधरोपण और पौधों की रक्षा कर जीविका दीदियों ने लाई हरियाली (पृष्ठ – 02)

भ्रांतियों को तोड़ कर लगवाया कोरोना का टीका (पृष्ठ – 03)

टीकाकरण ही मूल मंत्र, कोरोना से बचाव का यंत्र (पृष्ठ – 04)

## मिशन 1.5 करोड़ पौधारोपण: 'एक जीविका दीदी एक पौधा और एक संकल्प'

शराबबंदी, दहेज प्रथा, बाल–विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों पर अकुंश लगाने के साथ ही स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति समाज को निरंतर जागरूक करने के लिए प्रतिबद्ध जीविका दीदियां अब पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपनी महत्त्वपूर्ण सहभागिता निभा रही हैं। पर्यावरण संरक्षण हेतु बिहार के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा 9 अगस्त 2019 को शुरू किए गए ''जल–जीवन–हरियाली अभियान'' को सफल बनाने हेतु जीविका दीदियां दृढ़ता के साथ कदम बढ़ा रही हैं। जल–जीवन–हरियाली अभियान के तहत राज्य में इस वर्ष 'मिशन 5 करोड़ पौधारोपण अभियान' विभिन्न विभागों एवं संस्थानों के सहयोग से चलाया जा रहा है। इस अभियान की सफलता हेतु जीविका ने ''हरित जीविका–हरित बिहार–1.5'' अभियान शुरू किया है। इसके तहत जीविका के स्तर से 1.5 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है। इसके लिए प्रत्येक दीदी कम से कम एक पौधा जरूर लगाएंगी, इससे डेढ़ करोड़ पौधे लगाने के लक्ष्य को पूरा किया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष इस अभियान के तहत जीविका दीदियों ने कुल 1 करोड़ पौधे लगाने में सफलता हासिल की थी। इस वर्ष भी जीविका दीदियाँ का उत्साह बना हुआ है और पौधारोपण अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया है। यह अभियान 5 जून को पर्यावरण दिवस के अवसर पर व्यापक पैमाने पर पौधारोपण के साथ प्रारम्भ हुआ है, जो 9 अगस्त (पृथ्वी दिवस) तक चलेगा।

पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी ''हरित जीविका–हरित बिहार अभियान'' को वन–पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग का सहयोग मिल रहा है। विभाग की ओर से इस वर्ष 1.5 करोड़ पौधे उपलब्ध कराए जाने हैं, जिन्हें जीविका दीदियां अपने घरों या खेतों में लगाने वाली हैं। जैव विविधिता को ध्यान में रखते हुए सभी प्रकार के पौधे दीदियों द्वारा लगाए जा रहे हैं। मसलन– पर्यावरण संरक्षण एवं ऑक्सीजन की अधिक उपलब्धता हेतु पीपल, नीम जैसे औषधीय महत्त्व के पेड़ लगाए जा रहे हैं। आम, अमरूद, नारियल, नींबू, बेल जैसे फलदार वृक्षों के पौधे और कटहल, सहजन जैसी सब्जियों के उपयोग वाले पौधे और सागवान, महोगनी जैसे इमारती लकड़ियों के पौधे लगाए जा रहे हैं। ऐसे पौधे को लगाना भविष्य में जीविका दीदियों के परिवार की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के अतिरिक्त आय अर्जित करने का भी माध्यम बनेगा। इस अभियान की सफलता हेतु जमीनी स्तर पर सूक्ष्म नियोजन तैयार किया गया है। इसके तहत प्रत्येक 4 से 5 ग्राम संगठन स्तर पर ड्रॉप पॉइंट कैडर का निर्धारण किया गया है। रूट एवं ड्रॉप पॉइंट निर्धारित करने में इस बात का ध्यान रखा गया है कि किसी दीदी को पौधे लेने हेतु 1.5 किलोमीटर से ज्यादा न चलना पड़े। ड्रॉप पॉइंट मैनेजर द्वारा पौधे लेने वाली दीदियों का सूक्ष्म नियोजन तैयार करते हुए मोबाइल एप्प के माध्यम से वन विभाग के अधिकारी को इसकी जानकारी दी गयी जिससे वन विभाग को विभिन्न ड्रॉप पॉइंट पर पौधों की संख्या एवं प्रकार के बारे में वास्तविक स्थिति का पता चल सके। वन विभाग द्वारा ऐसे सूक्ष्म नियोजन के आधार पर पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। कोरोना काल को देखते हुए ड्रॉप पॉइंट पर पौधों के वितरण के दौरान दीदियों की भीड़ जमा नहीं करने और मास्क का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

# पौधरोपण और पौधों की रक्षा कर जीविका दीदियों ने लाई हरियाली

मनुष्यों और अन्य जीवों के लिए पेड़ बहुत उपयोगी है। इनसे मनुष्य को ऑक्सीजन के रूप में साँसें, फल, लकड़ी, छाँव और जाने कितने ही लाभ वृक्षों से मिलते हैं। पेड़–पौधों की महत्ता को समझते हुए किशनगंज जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत महीनगाँव पंचायत की जीविका दीदियों ने पौधारोपण को लेकर खूब उत्साह दिखाया है। सदर प्रखंड अंतर्गत "बढ़ते कदम" संकुल स्तरीय संघ (सीएलएफ) से जुड़े आदर्श, खुशी, कमल, हमसफर, सागर ग्राम संगठनों की लगभग सौ दीदियों ने पंद्रह सौ से अधिक फलदार और विभिन्न इमारती उपयोग के पौधे लगाये हैं जिनमे मुख्य रूप से आम, कटहल, अमरूद, सागवान, महोगनी इत्यादि के पेड़ शामिल हैं। एक साल से अधिक हो चुके इन पौधों को दीदियां मिलकर सींचती रही। वर्तमान में लगभग एक हजार से अधिक पौधे जीवित हैं। दीदियों ने मिलकर बड़े परिश्रम से इन पौधों की रक्षा की है। जीविका के माध्यम से दीदियों को ये पौधे नि:शुल्क दिए गए थे। पेड़ों की रक्षा के लिए उन्हें प्रशिक्षण दिया गया था। अब उनकी मेहनत हरियाली के रूप में दिख रही है। दीदियों को सुलभता से पौधे उपलब्ध हों इसके लिए कई जगह उनके गाँव–घर से नजदीक पौधा वितरण सेंटर बनाए गए थे। वहाँ से दीदियाँ आसानी से नि:शुल्क पौधा प्राप्त कर सकी थीं। उनके गाँव–घर के आस–पास ही प्रशिक्षण का आयोजन किया गया ताकि उन्हें दिक्कत न हो। इसी परिश्रम का परिणाम है कि जल जीवन हरियाली मिशन के तहत चलाए गए पौधरोपण कार्यक्रम से किशनगंज जिले में हरियाली (हरित आवरण) बढ़ाने में मदद मिली है। पिछले वित्तीय वर्ष 2020–2021 में किशनगंज जिले में एक लाख नौ हजार पौधा लगाने का लक्ष्य रखा गया था और लक्ष्य से अधिक एक लाख चौदह हजार पौधारोपण कर सराहनीय कार्य किया गया। जीविका दीदियों द्वारा पर्यावरण बचाने की दिशा में यह सक्रियता, समुदाय को बेहतर जीवन देने में मददगार साबित हो रही है।

# धर्मशिला देवी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

हौसले बुलंद हों तो मंजिल कदमों में होती है। धर्मशिला देवी के चेहरे पर अब आत्मविश्वास की चमक दिखती है। धर्मशिला देवी के पति स्व0 रविन्द्र पटेल का निधन 1998 में बीमारी की वजह से हो गया था। पति पान दुकान का व्यवसाय करते थे जिससे परिवार का खर्च जैसे–तैसे चलता था। पर उनकी अचानक मृत्यु के बाद धर्मशिला देवी पर मानो विपत्तियों का पहाड़ टूट पड़ा। इन्हें एक पुत्र भी था। मेहनत–मजदूरी कर धर्मशिला अपना एवं बेटे का गुजारा कर रहीं थीं। वर्ष 2016 में धर्मशिला अपने गाँव में साक्षी जीविका स्वयं सहायता समूह, पंचायत मदरना, प्रखंड वैशाली, जिला वैशाली से जुड़ी और इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़ कर नहीं देखा। कभी मशरुम की खेती से जुड़कर तो कभी मधुमक्खी पालन कर, अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने में लगी रहीं। इन्होंने पौधारोपण अभियान में भूमिका निभाने के लिए अपनी इच्छा दिखाई एवं इस कार्य हेतु विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रयत्नशील रहीं। उनके इसी जज्बे को देखकर उन्हे इस वर्ष जीविका के माध्यम से वन विभाग द्वारा मिलने वाली नर्सरी का लाभ दिया गया। अपने बेटे की मदद से उन्होंने मेहनत कर अच्छी नर्सरी तैयार की है जिसमे विभिन्न प्रकार के पौधे–जैसे सागवान, महोगनी, आम, कटहल एवं अन्य कई प्रकार के पौधे लगाये गए हैं। धर्मशिला देवी को वन विभाग द्वारा 24,000 पौधा तैयार करने का लक्ष्य दिया गया है जिसके लिए वन विभाग द्वारा प्रारंभिक राशि 88,000 रु0 भी दिये गए। तैयार पौधों को वन विभाग द्वारा लगभग प्रति पौधा 11/– की दर से खरीद लिया जायेगा जिससे धर्मशिला देवी को लगभग 1.50 लाख रुपये की आमदनी होगी। जीविका के माध्यम से वन विभाग द्वारा नर्सरी प्राप्त कर धर्मशिला खुश हैं। धर्मशिला कहती हैं कि पौधारोपण करने का उनका उद्देश्य जीविकोपार्जन के साथ ही पर्यावरण संरक्षण अभियान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है।

# टीकाकरण को मिली गति

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु टीकाकरण अभियान युद्ध स्तर पर जारी है। इसी बीच टीकाकरण को लेकर फैली अफवाह से अभियान की गति धीमी हो गई। टीका के प्रति अफवाहों के बीच लोगों को टीका लेने के लिए प्रेरित करना बड़ी चुनौती बन गई। इस चुनौती को रेखा देवी जैसी जीविका दीदियों ने स्वीकार किया। वर्ष 2017 से ताजमहल स्वयं सहायता समूह से जुड़ी रेखा देवी जीविका दीदियों, उनके परिजनों और ग्रामीणों को टीकाकरण के प्रति जागरूक करते हुए टीका लेने के लिए प्रेरित कर रही हैं। इलेक्ट्रिक सामानों की दुकान चलाने वाले अनिल कुमार की पत्नी रेखा देवी बक्सर जिला अंतर्गत राजपुर प्रखंड के उत्तमपुर गाँव की रहनेवाली हैं। ये पिछले ढाई साल से जीविका में एम.आर.पी के पद पर कार्य करते हुए गाँव की महलाओं और युवतियों को स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक तो कर ही रही हैं वहीं पिछले एक साल से कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु घर–घर जाकर अभियान चला रही हैं। इस वर्ष महिला दिवस के अवसर पर विशेष तौर पर शुरू किये गए टीकाकरण अभियान को रेखा ने गति दी है। सबसे पहले इन्होने खुद एवं अपने परिवार का टीकाकरण कराया। इनकी पहल पर जीविका दीदियाँ, उनके परिजन और ग्रामीण भी टीका ले रहे हैं। इसी बीच टीकाकरण को लेकर फैली अफवाह ने जब सबकी चिंता बढ़ा दी और लोग टीका नहीं लेने के बहाने बनाने लगे तब रेखा घर–घर जाकर लोगों को अफवाहों से बचने और टीका लेने के लिए प्रेरित करने लगी। कई बार लोगों ने इनकी बात नहीं मानी, घर का दरवाजा तक बंद कर लिया। फिर भी रेखा टीकाकरण करवा चुकी महिलाओं की टोली बनाकर लोगों को जागरूक करने लगीं। इस टोली का नेतृत्व करते हुए रेखा ग्रामीणों को टीकाकरण के लिए जागरूक कर रही हैं। अब लोग टीकाकरण के लिए प्रतिदिन जा रहे हैं। अफवाहों से मिले निजात के उपरान्त अब टीकाकरण अभियान की गति बढ़ गयी है।

# भ्रांतियों को तोड़ कर लगवाया कोरोना का टीका

पूर्णियाँ जिला के कृत्यानन्द नगर प्रखण्ड अन्तर्गत जगनी पंचायत में परियोजना कर्मियों एवं जीविका के सामुदायिक संगठनों के सामुहिक प्रयास से दिनांक 11.06.2021 को 235 जीविका दीदियों एवं उनके 213 परिजनों को कोरोना का टीका लगाया गया। इस प्रकार, जगनी पंचायत में सिर्फ एक दिन में 448 जीविका दीदियां एवं उनके परिजनों को टीका लगवाया गया। जिले भर में जीविका सामुदायिक संगठनों के सदस्यों द्वारा कोरोना टीकाकरण हेतु जागरूकता अभियान कई विभागों के साथ मिलकर चलाया जा रहा है। टीकाकरण अभियान को गति प्रदान करने हेतु पूर्णियाँ जिले के प्रत्येक प्रखंड में प्रतिदिन एक पंचायत में जीविका दीदियों एवं उनके परिवार के सदस्यों के टीकाकरण हेतु स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से जीविका द्वारा विशेष टीकाकरण केंद्र का आयोजन किया जा रहा है।

पूर्व में जगनी पंचायत में कम टीकाकरण को देखते हुए परियोजना कर्मियों एवं जीविका के सामुदायिक संगठन सदस्यों ने सामूहिक रूप से जीविका दीदियों के घरों का भ्रमण कर टीका लेने के लिए उत्प्रेरित किया और निर्धारित तिथि, स्थान के बारे में सभी को जानकारी दी। इस महती उपलब्धि के लिए पूर्व में टीका नहीं लेनेवाले व्यक्तियों की सूची तैयार की गयी थी। टीका से वंचित जनों को जीविका सामुदायिक संगठनों के कैडरों, ग्राम संगठन प्रतिनिधियों की मदद से परियोजना कर्मियों द्वारा प्रेरित किया गया एवं कोविड टीका के बिषय में उत्पन्न भ्रांतियों को दूर कर टीका लेने हेतु क्षेत्र भ्रमण करते हुए उत्प्रेरित किया गया। क्षेत्र में टीका के विषय में कई तरह की भ्रांतियाँ थी। इन भ्रांतियों के कारण लोग टीका लेने से इनकार कर रहे थे। सही ढंग से इस के लाभ के विषय में जानकारी देने पर सैकड़ों लोग तैयार हुए और उन्होंने टीका लगवाया। जगनी पंचायत के जीविका दीदियों ने एक दिन मे इतनी बड़ी संख्या में टीका लगवा कर कोरोना टीका के प्रति भ्रांतियाँ को तोड़ा और जागरुकता की मिसाल पेश की।

# टीकाकरण ही मूल मंत्र, कोरोना से बचाव का यंत्र

कोरोना के खिलाफ जंग जारी है। ऐसे में टीकाकरण ही ऐसा तरीका है, जो हमें इस लड़ाई को जीतने में मदद कर सकता है। कोरोना से जंग जीतने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को वैक्सीन लगवाना अनिवार्य है। शत–प्रतिशत वैक्सीनेशन के बाद ही हम कोरोना पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। सभी लोग वैक्सीन लगवाएँ– इसके लिए कई स्तरों पर प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार शत–प्रतिशत टीकाकरण के लिए अपनी रणनीति पर कारगर तरीके से कार्य कर रही है। कोरोना के प्रथम एवं दूसरे चरणों में अपने सफल कार्यों के कारण जुझारू योद्धा के रूप में अपनी छवि बनाने वाली जीविका दीदियाँ शत–प्रतिशत टीकाकरण के लिए जुट गयी हैं। सम्पूर्ण टीकाकरण के लिए जीविका दीदियाँ मेहनत कर रही हैं। घर–घर जाकर लोगों को वैक्सीन लेने के लिए जागरूक करने का इन्होंने बीड़ा उठा रखा है।

पंचायत के हर गांव में हर घर तक जीविका के कैडर एवं दीदियां पहुंच रही हैं। प्रतिदिन रोस्टर बनाकर जीविका से जुड़े हुए कर्मियों, कैडर और दीदियों को टीकाकरण के लिए भेजा जा रहा है। जो लोग टीकाकरण करा चुके हैं, उनके अनुभवों के माध्यम से अन्य दीदियों एवं ग्रामीणों को प्रेरित किया जा रहा है।

इस प्रकार दीदियाँ कोरोना से जंग लड़ रही हैं और टीका को लेकर फेली अफवाहों से भी उन्हें दो–चार होना पड़ रहा है। टीकाकरण को लेकर फैली हुई अफवाहों को भी दीदी खत्म कर टीकाकरण के लिए लोगों को टीकाकरण केंद्रों पर भेज रही हैं। स्वास्थ्य विभाग एवं स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर राज्य के 1251 संकुल संघों में टीकाकरण केंद्रों का संचालन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। संकुल संघों में टीका केंद्र की स्थापना के बाद से ही टीका लेने वाले समूह सदस्यों एवं उनके परिजनों की संख्या में तेजी आयी है। अबतक जीविका दीदियों एवं उनके परिवारों को 75 लाख टीका कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु दिया जा चुका है। दीदियां कोरोना से बचाव में टीकाकरण को सबसे महत्वपूर्ण हथियार मान रही हैं। और टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन भी विभिन्न स्तरों पर किया जा रहा है। उनके प्रयासों का असर साफ देखा जा सकता है। इसी आधार पर जीविका दीदियों के कार्यों की हर स्तर पर प्रशंसा हो रही है।

जीविका, बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति, विद्युत भवन – 2, बेली रोड, पटना – 800021, वेबसाइट : www.brlps.in

संपादकीय टीम
- श्री ब्रज किशोर पाठक – विशेष कार्य पदाधिकारी
- श्रीमती महुआ राय चौधरी –कार्यक्रम समन्वयक (जी.के.एम.)
- श्री पवन कुमार प्रियदर्शी – परियोजना प्रबंधक (संचार)

संकलन टीम
- श्री राजीव रंजन – प्रबंधक संचार, समस्तीपुर
- श्री राजीव रंजन – प्रबंधक संचार, पूर्णिया
- श्री बिप्लव सरकार – प्रबंधक संचार, कटिहार
- श्री विकास कुमार राव – प्रबंधक संचार, सुपौल
- श्री रौशन कुमार – प्रबंधक संचार, बक्सर
- श्री मनीष कुमार – प्रबंधक संचार, वैशाली